the fabrication of Brewery Machinery in India; and

(c) if so, whether an import licence was granted to the proposed Brewery in West Bengal for the import of such machinery when it could be had from indigenous sources?

The Minister of Industry in the Ministry of Commerce and Industry (Shri Kanungo): (a) Yes, Sir.

(b) No, Sir.

(c) Does not arise.

"Yojna"

2925. Shri G. Mohanty: Will the Minister of **Planning** be pleased to state:

(a) the number of copies of 'Yojna' published;

(b) the number of free copies supplied and the number of subscribers to the magazine; and

(c) the amounts spent on the magazine in 1960-61 and 1961-62?

The Minister of Planning and Labour and Employment (Shri Nanda): (a), (b) and (c). A statement is laid on he Table of he House.

STATEMENT

Edition	1960-61	1961-62
English	3,18,225	2,71,255
Hindi	2,88,390	1,99,730

(b) (i) Number of copies supplies free :

Edition	1960-61	1961-62
English	1,41,990	1,17,845
Hindi	95,503	76,924

(ii) Number of copies sold to subs cribers :

Edition	1960-61	1961-62
English .	1,66,031	1,46,426
Hindi	1,75,064	1,19,585

(c) Amount spent on the magazine :

Edition	1960-61	1961-62
English .	1,50,915	1,79,015
Hindi .	1,45,236	1,49,194

तिमारपुर, दिल्ली में क्वार्टर

२९२६. **श्री प्रकाशवीर शास्त्री :** क्या **निर्माण, आवास और संभरण** मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) दिल्ली।नई दिल्ली के क्षेत्रों मे १९५० में और उसके बाद बनाये गये सरकारी क्वार्टरों का साधारणतया कितने वर्ष जीवन-काल होता है ;

(ख) क्या यह सच है कि केवल दस वर्ष पूर्व दिल्ली के तिमारपुर क्षेत्र में बनाये गये 'जेड' टाइप के २०० से अधिक क्वार्टरों को उनकी छतें और छज्जे टूट जाने के कारण निवास के लिये असुरक्षित घोषित कर दिया गया है;

(ग) यदि उपरोक्त भाग (ख) का उत्तर "हां" में हो, तो क्या वह निम्नलिखित लिखित बताने की कृपा करेंगे कि :

(एक) क्या ये क्वार्टर उनके प्राक्कलन और नक्शे आदि के स्वीकृत हो जाने के बाद ही बनाये गये थे और क्या उनके लिये स्तर से नीचे के निर्माण के आदेश नहीं दिये गये थे ;

(दो) इन क्वार्टरों के इतनी जल्दी खराब होने के क्या विशेष कारण थे और क्या इसकी जांच की गई और यदि हां, तो उसका क्या परिणाम निकला; जिन ठेकेदारों ने ऐसे निम्नकोटि के क्वार्टर बनाये उनके विरुद्ध क्या कार्यवाही की गई, यदि उनका इस विषय मे दोष पाया गया हो ;

(तीन) विभाग के जिन अधिकारियों ने स्तर से नीचे के काम को स्तर

का प्रमाणित किया उनके विरुद्ध क्या कार्यवाही की गई या की जा रही है ;

(चार) क्या उन क्वार्टरों की मरम्मत की जा रही है और यदि हां, तो अनुमानतः प्रत्येक पर कितना खर्च होगा ;

(पांच) रहने के लिये सुरक्षित न होने के कारण जितने समय के लिये ये क्वार्टर खाली रखे गये या रखे जा रहे हैं उतने समय में किराया न मिलने के कारण सरकार को वास्तव में कितनी हानि हुई ; और

(छः) निर्धारित स्तर से नीचे के क्वार्टर फिर न बनें इसके लिये क्या कदम उठाये गये हैं या उठाये जायेंगे ?

निर्माण, आवास और संभरण मंत्रालय में उपमंत्री (श्री पू० श० नस्कर) (क) ५० से ६० वर्ष तक ।

(ख) जैसा कि ९ अगस्त, १९६० को लोक सभा अतारांकित प्रश्न सं० ४७७ के उत्तर में बताया गया था, "जैड" टाइप के क्वार्टरों में दूरी मंजिल के १७२ प्लेटों की छतें खराब हो गई थीं ।

(ग) (एक) से (तीन) : प्राक्कलन (एस्टिमेट) और विशिष्टियां (स्पैसिफिकेशन्स) सरकार द्वारा की गई थीं, लेकिन खर्च में बचत के लिये और परीक्षण के तौर पर इन क्वार्टरों में चूना कंकरीट की छत की व्यवस्था की गई थी ।

(दो) चूना-कंकरीट की छतें इससे पहले बड़े पैमाने पर नहीं बनाई गई थीं और छत बनाने के लिये उपयुक्त सिद्ध नहीं हो चुकी थीं । इस परीक्षण से पता चला है कि चूना-कंकरीट की छत जल्दी ही घिस कर टूट फूट जाती है, जिससे पानी उसके अन्दर रिस जाता है । इसके फलस्वरूप सीमेंट कंकरीट की छत की पाटियों में लगी कच्चे लोहे की सलाखों में जंग लग जाता है, जिससे छतें खराब हो जाती हैं । इसके अलावा ठेकेदार ने कुछ निर्माण कार्य विशिष्टियों के से घटिया स्तर के किए थे, जिनके लिए उस पर ७३१६/११/— रुपये जुर्माना किया गया और केन्द्रीय सरकारी निर्माण विभाग के साथ उसका पंजीयन (रजिस्ट्रेशन) रद्द कर दिया गया ।

(तीन) स्तर के नीचे के किसी काम को अपेक्षित स्तर का प्रमाणित नहीं किया गया । इसलिये किसी अफसर के विरुद्ध कोई कार्रवाई करने की आवश्यकता ही नहीं हुई ।

(चार) हां । लगभग ३३६० रुपये प्रति क्वार्टर ।

(पांच) जानकारी एकत्रित की जा रही है और सभा की मेज पर रख दी जायेगी ।

(छह) बड़े पैमाने पर होने वाले निर्माण के लिए केवल वे ही विशिष्टियां अपनाई जा रही हैं, जो समय की कसौटी पर खरी

उतर चुकी है । इसके अलावा, केन्द्रीय सरकारी निर्माण विभाग द्वारा निर्माण कार्यों की और अधिक कड़ी देख रेख तथा मुख्य तकनीकी परीक्षक द्वारा प्रमुख निर्माण कार्यों की, निर्माण की सब दशाओं में, लगातार तकनीकी परीक्षा से परीक्षा से भी स्तर से घटिया काम की रोक थाम होने की आशा है ।

Price of Iron Ore

2927. **Shri Surendranath Dwivedy:** Will the Minister of **Commerce and Industry** be pleased to state:

(a) the selling price of iron ore offered by private mine-owners and Government-owned mines to steel mills and for export; and

(b) the quantity purchased during 1961-62 from the private mine-owners and Government-owned mines separately for these purposes and the amount of money paid?

The Minister of International Trade in the Ministry of Commerce and Industry (Shri Manubhai Shah): (a) and (b). It is not considered in the business interest of the State Trading Corporation to disclose these details.

Import of Big Cars

2928. **Dr. L. M. Singhvi:** Will the Minister of **Commerce and Industry** be pleased to state:

(a) whether it is proposed to import a sizeable number of big cars into India from various foreign countries in the near future;

(b) if so, from which countries; and

(c) on what terms of payment?

The Minister of International Trade in the Ministry of Commerce and Industry (Shri Manubhai Shah): (a) No, Sir.

(b) and (c). Do not arise.

Closure of Hopkin and Williams Factory in Kerala

2929. **Shri A. K. Gopalan:** Will the **Prime Minister** be pleased to state:

(a) when the Hopkin and Williams Factory of Quilon District in Kerala was closed down;

(b) the reasons for the closure of the factory;

(c) the number of workers affected by the closure;

(d) whether the management have any proposal to reopen the factory; and

(e) if not, whether Government have any proposal to run the factory?

The Prime Minister and Minister of External Affairs and Minister of Atomic Energy (Shri Jawaharlal Nehru): (a) Messrs Hopkin & Williams (Travancore) Limited closed down their Chavara Factory in Quilon District from 1.10.1960.

(b) The Company found it uneconomical to continue production.

(c) About 2,000 workers were affected by the closure of the factory.